सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

शिक्षण अध्ययन केंद्र

रामानुजन कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् 'A' ग्रेड प्राप्त)

के तत्वाधान में

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन

शिक्षा मंत्रालय

द्वारा आयोजित

द्विसाप्ताहिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

(MOOCs / ऑनलाइन माध्यम द्वारा)

हिंदी भाषा और साहित्य

(20 नवंबर - 04 दिसंबर 2021)

पंजीकरण एवं प्रतिभागिता हेतु आमंत्रण

(7 वें वेतन आयोग के अनुसार AL10 से AL11, AL11 से AL12 और AL12 से AL13 पर पदोन्नति हेतु उपयोगी)

रामानुजन कॉलेज

रामानुजन कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का कॉलेज है, जो दक्षिण दिल्ली में नेहरू प्लेस के निकट कालकाजी के सुपरिचित क्षेत्र में स्थित है। रामानुजन कॉलेज में अत्यंत निपुण, समर्पित एवं निष्ठावान शिक्षक हैं । कॉलेज मानविकी, वाणिज्य एव विज्ञान वर्गों में विभिन्न विषयों के सोलह पाठ्यक्रम संचालित करता है । यह दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन कॉलेजिएट विमेंस एजूकेशन बोर्ड तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों का अध्ययन केंद्र भी है । रामानुजन कॉलेज को मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के रूप में भी चुना है। कॉलेज में विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। रामानुजन कॉलेज के शिक्षक प्रेरणा से भरे हैं और उन्होंने पत्रिकाओं तथा प्रिंट मीडिया के अन्य लेखों समेत मौलिक, प्रकाशित शैक्षिक एवं रचनात्मक कार्य किया है तथा शैक्षिक फिल्मों का निर्माण भी किया है । रामानुजन कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का उत्कृष्ट संस्थान है और उसे राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ने ग्रेड 'ए' की मान्यता प्रदान की है। कॉलेज को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचे (एनआईआरएफ 2021) में भी 53 वां स्थान दिया गया है । रामानुजन कॉलेज में हम शैक्षिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के साथ ही अपने छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने, उन्हें वास्तविक जगत का सार्थक अनुभव कराने तथा उन्हें व्यावहारिक कौशल प्रदान करने पर जोर देते हैं।

शिक्षण अध्ययन केंद्र, रामानुजन कॉलेज

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 2017 में पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन आरंभ किया। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य हमारे देश में उच्च शिक्षा की विभिन्न संस्थाओं में शिक्षण अध्ययन केंद्रों की स्थापना कर शिक्षकों के प्रशिक्षण में सहायता प्रदान करना है। शिक्षण अध्ययन केंद्रों का कार्य अध्यापन संबंधी नए तरीकों, विषय विशेष के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने और कॉलेजों तथा स्नातकोत्तर विभागों में शिक्षकों द्वारा प्रयोग हेतु नई अध्ययन सामग्री (ई-सामग्री समेत) तैयार करने की पद्धति लगातार सीखने को बढ़ावा देना है। विचार यह है कि शिक्षण अध्ययन केंद्र के माध्यम से स्वतंत्र आलोचनात्मक एवं रचनात्मक सोच को बढ़ावा देकर तथा विषय विशेष की वृद्धि के लिए शोध में सहायता प्रदान कर शिक्षण अध्ययन की प्रक्रिया को संवर्द्धित करना ही इस शिक्षण अध्ययन केंद्र का मूल उद्देश्य है ।

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन शिक्षक की भूमिका एवं कामकाज को केवल जानकारी एवं ज्ञान का प्रसार करने वाले तक सीमित नहीं करना चाहता बल्कि छात्रों में गुणात्मक, विश्लेषणात्मक कौशल, सूचना सृजित करने की क्षमताएं विकसित करने तथा खुले स्रोतों एवं वैश्विक स्तर की डिजिटलीकृत प्रक्रियाओं के जरिए स्वयं को सशक्त बनाने में उनकी मदद करने वाला बनाना चाहता है। वैयक्तिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए केवल 'क्या पढ़ाया गया' पर जोर नहीं है बल्कि 'किस तरह पढ़ाया गया है' पर ध्यान दिया जा रहा है, जो अंत में भावी पीढ़ियों के काम करने तथा जीवन जीने के तरीके को परिभाषित करेगा।

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन उच्च शिक्षा में गुणात्मक वृद्धि तथा शिक्षकों और शोधार्थियों के बहुआयामी विकास के लिए संकल्पित है । इस संकल्प की पूर्ति हेतु इस पुनश्चर्या पाठयक्रम का आयोजन कर रहा है । बदलते परिदृश्य में शिक्षक को अध्यापन की दृष्टि से तैयार करना और उसे अध्ययन-अध्यापन की अद्यतन जानकारी देना तथा शिक्षण प्रक्रिया को सहज बनाना, उच्च शिक्षा को उन्नत करना, शोधार्थियों में शोध की दृष्टि को विकसित करना तथा नवाचार को बढ़ावा देना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है । इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ही दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज का शिक्षण अध्ययन केंद्र देश में उच्च शिक्षा के शोधार्थियों तथा शिक्षकों के लिए 08 नवंबर - 22 नवंबर 2021 तक 'हिंदी भाषा और साहित्य' विषय पर ऑनलाइन द्विसाप्ताहिक पुनश्चर्या पाठयक्रम कार्यक्रम आयोजित कर रहा है । वर्तमान परिस्थितियों में कोविड-19 महामारी के चलते शिक्षा को सुचारु रूप से कैसे विद्यार्थों तक पहुंचाया जाए और शोध के कार्यों को कैसे किया जाए ? ये प्रश्न चुनौती के रूप में शिक्षक के समक्ष हैं । बदलते परिदृश्य में शिक्षक समाज अपने विद्यार्थियों से गूगल कक्षा, व्हाट्सप्प, ज़ूम, वीडियो कॉनफेरंसिंग के माध्यम से जुड़ रहे हैं । ऐसी विषम

परिस्थितियों में ऑनलाइन कार्यक्रम और कक्षाएँ ही विकल्प हैं । इसी बात को ध्यान में रखते हुए यह ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है ।

संकल्पना और उद्देश्य

बदलते भारतीय परिदृश्य में हिंदी भाषा और साहित्य के अधिकाधिक विचारणीय संदर्भों को लेकर हम उपस्थित हैं। हिंदी भाषा और साहित्य मानव जगत और उसके विकास से जुड़ा है । भाषा और साहित्य में जहां यथार्थोन्मुखता के दर्शन होते हैं वहीं हमें कल्पना और लालित्य की दुनिया की यात्रा भी हमें भाषा और साहित्य ही करवाते हैं । हिंदी भाषा के विकास से यदि हम परिचित होना चाहते हैं तो हमें हिंदी साहित्य की शरण में जाना होगा । मनुष्य अपने मनोभावों और अनुभूति को भाषा के माध्यम से अभिव्यक्त करता है । अपने भावों और अनुभवों को अभिव्यक्त करने के लिए उसके पास कोई निर्धारित भाषा नहीं होती । भाषा की व्यापकता और गहराई अपने अनेकानेक रूपों में हमारे समक्ष आती है और हम एक ही भाव और एक ही प्रकार के अनुभवों को अलग-अलग ढंग से अभिव्यक्त करते है । भाषा की नवीनता, भावों और अनुभवों को भी एक नया आयाम दे देती है । साहित्य की अभिव्यक्ति का माध्यम भाषा ही है अतः जब कभी हमें किसी काल विशेष की भाषा, परिवेश, इतिहास और संस्कृति को जानना होता है तो साहित्य के पन्नों में झाँकने की आवश्यकता होती है । मनुष्य की सामाजिक प्राणी होने की कहानी भी मनुष्य के 'भाषिक जन्तु' होने के कारण ही आगे बढ़ती है । भाषा बोलने में स्वतः ही प्रकट होती रहती है परंतु उसमें रचना करना एक अलग बात है । उसके लिए उद्यम की आवश्यकता होती है, साहित्य इसी उद्यम का फल है । साहित्य की परिभाषा -'शब्दार्थौसहितौ काव्यं' शब्द और अर्थ के सहित भाव को साहित्य की श्रेणी में रखा जाता है । शब्द और अर्थ का अप्रतिम, रमणीय, गहन और रसात्मक रूप के दर्शन हमें साहित्य में होते हैं । साहित्य मानव अनुभूतियों और सामाजिक व्यवहार का दर्पण होता है । साहित्यकार कल्पनाओं और प्रतीकों के आधार पर, यथार्थ के धरातल पर, मानवीय संवेगों को संजोकर कोई रचना लिखता है । अतः साहित्य का क्षेत्र असीम ही नहीं है बल्कि अनन्त है ।

बदलते परिद्रश्य में हिंदी भाषा और साहित्य के अंतःसंबंध और विविध आयामों का मूल्यांकन करना, अध्यापकों और शोधार्थियों को अद्यतन जानकारी देना, नवीनतम तकनीक से परिचित कराना तथा नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ही यह कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है ।

प्रतिफलन

1. प्रतिभागियों को हिंदी भाषा और साहित्य की विविध जानकारी उपलब्ध कराना ।

2. हिंदी साहित्य, समाज, संस्कृति को एक नवीन ढंग से देखने और समझने की दृष्टि पैदा करना ।

3. नाटक, रंगमंच, अनुवाद, मीडिया और सिनेमा की विभिन्न शाखाओं की संरचनात्मक जानकारी प्रदान करना, जिससे शिक्षकों को कक्षा में अपना अनुभव और भी समृद्ध तथा संतोषप्रद बनाने में सहायता मिले ।

4. हिंदी साहित्य और उससे जुड़े विमर्शों, आंदोलनों और विविध विधाओं के विभिन्न पहलुओं नवोन्मेषशालिनी सृजनात्मक शिक्षण पद्धतियों की जानकारी उपलब्ध कराना ।

5. हिंदी भाषा और साहित्य से संबंधित समयानुकूल प्रायोगिक और रोजगारपरक बनाने के लिए शिक्षकों में कौशल विकसित करना ताकि वे छात्रों की नई पौध तैयार कर सकें जिससे उन्हें समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा और न्यू मीडिया के क्षेत्र में गुणवत्ता पूर्ण दक्षता हासिल हो सके ।

सत्र विवरण

यह पुनश्चर्या कार्यक्रम MOOCs प्लेटफॉर्म पर होगा । सभी प्रतिभागियों के लिए MOOCs प्लेटफॉर्म को ज्वाइन करना अनिवार्य होगा । इस कार्यक्रम के सत्रों के व्याख्यान रिकॉर्डेडिड / लाइव दोनों रूपों में होंगे । प्रथम दिन उदघाटन सत्र होगा और अंतिम दिन परीक्षा (फ़ाइनल टेस्ट) देना अनिवार्य है । प्रतिभागियों के लिए कार्यक्रम संबंधी समस्त सूचनाएँ टेलीग्राम ग्रुप पर साझा की जाएंगी ।

संभावित विषय

- हिंदी भाषा का वैश्विक पटल पर योगदान
- आदिकालीन साहित्य
- मध्यकालीन साहित्य और संस्कृति
- हिंदी की विविध विधाओं का विकास और प्रासंगिकता
- आधुनिक काल का साहित्य और दर्शन
- रंगमच, मीडिया, अनुवाद और सिनेमा
- हिंदी में रोजगार की नवीन संभावनाएं
- भाषा की तकनीक और तकनीक की भाषा हिंदी
- हिंदी साहित्य और विविध विमर्श
- हिंदी साहित्य और पश्चिमी आंदोलन
- हिंदी भाषा और साहित्य : शोध की संभावनाएं एवं चुनौतियाँ

सहभागिता हेतु दिशा निर्देश :-

- पुनश्चर्या कार्यक्रम में भारत के किसी भी विश्वविद्यालय/कॉलेज के संकाय सदस्य (नियमित/तदर्थ/अस्थायी) एवं शोधार्थी भाग ले सकते हैं।
- सहभागिता के लिए पंजीकरण शुल्क रु॰ 1450/- का भुगतान करना होगा । पंजीकरण शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा ।

पंजीकरण समयसीमा - 19 नवंबर 2021

- सभी प्रतिभागियों का पंजीकरण अनिवार्य है। प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे 19 नवंबर 2021 तक rcmoocs.in लिंक की सहायता से ऑनलाइन पंजीकरण करा लें।
- पंजीकरण तथा शुल्क का भुगतान होने के बाद आपको पंजीकरण के पुष्टीकरण की सूचना मेल के माध्यम से दी जाएगी ।
  (पुष्टीकरण मेल को अपने इनबॉक्स और स्पैम दोनों में चेक करें ।)
- 'टेलीग्राम' ग्रुप का लिंक पुष्टीकरण मेल के माध्यम से ही प्राप्त होगा । टेलीग्राम ग्रुप में शामिल होना अनिवार्य है ।
- आपसे अनुरोध है कि प्ले स्टोर से 'टेलीग्राम' एप डाउनलोड अवश्य करें तभी आप टेलीग्राम ग्रुप में शामिल हो सकते हैं ।

महत्वपूर्ण बिन्दु -

- सभी प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण करवाना अनिवार्य है ।
- प्रतिभागिता का प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए प्रतिभागियों का सभी सत्रों के असाइनमेंट, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतिदिन दिए गए कार्यों को करना अनिवार्य होगा ।
- प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए न्यूनतम 50% अंक स्कोर करना अनिवार्य है ।
- प्रमाणपत्र पर अंकित 'ग्रेड' आपके प्रदर्शन के अनुरूप होगा ।
- पुनश्चर्या कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय की प्रतिष्ठित पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन योजना के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, इसलिए हम ऐसे इच्छुक एवं गंभीर प्रतिभागियों को सर्वाधिक महत्व देते हैं, जो सीखने के लिए उत्सुक हैं। इसीलिए ध्यान रखा जाए कि प्रमाणपत्र उन्हीं प्रतिभागियों को दिए जाएंगे, जो इस कार्यक्रम के प्रत्येक सत्र में संलग्न रहेंगे ।
- प्रतिभागियों को प्रत्येक सत्र के लिए ऑनलाइन प्रतिपुष्टि भेजनी होगी ।
- उपर्युक्त किसी भी कार्य को न करने की स्थिति में प्रतिभागी प्रमाणपत्र के अधिकारी नहीं होंगे ।
- यह कार्यक्रम ऑनलाइन होगा इसलिए किसी भी प्रकार के अनापत्ति पत्र या अवकाश पत्र की आवश्यकता नहीं है ।
- कार्यक्रम संबंधी किसी भी जानकारी के लिए आप हमें निम्न मेल पर लिख सकते हैं rchindi2021@ramanujan.du.ac.in

आयोजक मंडल

निदेशक

प्रो. एस. पी. अग्रवाल

प्राचार्य, निदेशक, शिक्षण अध्ययन केंद्र

रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

पाठयक्रम समन्वयक

डॉ. मधु कौशिक

हिंदी विभाग

रामानुजन कॉलेज

डॉ. आलोक रंजन पाण्डेय

हिंदी विभाग

रामानुजन कॉलेज

सचिव

डॉ. राजीव नयन

वाणिज्य विभाग

रामानुजन कॉलेज

डॉ. आशीष कुमार शुक्ला

सांख्यिकी विभाग

रामानुजन कॉलेज

तकनीकी प्रमुख

डॉ. निखिल राजपूत

कम्प्युटर साइंस विभाग

रामानुजन कॉलेज

विपिन राठी

कम्प्युटर साइंस विभाग

रामानुजन कॉलेज

सदस्य

डॉ. सचिन तोमर

सांख्यिकी विभाग

रामानुजन कॉलेज

डॉ. ज़ैरु निशा

दर्शन विभाग

रामानुजन कॉलेज